# पर्यावरण को सरंक्षित करने संकल्पित होने की जरूरत... महेश गागड़ा, वनमंत्री

**रायपुर, ०४ जून, २०१७:** वन मंत्री महेश गागड़ा ने कहा कि वर्तमान समय प्रदूषण इतना विकराल रूप ले चुका है कि हरेक को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने की जरूरत है। पर्यावरण को सरंक्षित और सवंर्धित करने के लिए जहाँपर भी खाली जगह मिले वहाँ पेड़ लगाने के लिए संकल्पित होकर कार्य करें। प्रकृति से जुड़ें। श्री महेश गागड़ा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर में आयोजित पर्यावरण महोत्सव कार्यक्रम में बोल रहे थे। चर्चा का विषय था- पर्यावरण सरंक्षण और हमारा दायित्व।

उन्होंने आगे कहा कि हम लोग विकास की दौड़ में अपने मूल को छोडक़र आगे बढ़ रहे हैं। यह दौड़ हमें पाश्चात्य संस्कृति की ओर ले जा रही है। अब हमें फिर से अपने मौलिक जीवन की ओर आना होगा। दैनिक जीवन में प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का उपयोग पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुँचा रहा है। इसका उपयोग प्रतिबन्धित करने की जरूरत है। आजकल पर्यावरण सरंक्षण के लिए संकल्पित होने की आवश्यकता है। लोग घरों में जगह कम होने के कारण बोन्साई पेड़ लगा रहे हैं किन्तु इससे पर्यावरण का सरंक्षण नहीं हो सकता। अगर किसी के घर में जगह होती भी है तो वह मनी प्लान्ट लगाने में रूचि रखते हैं। आम, नीम, करंज जैसे पेड़ लगाने
में लोगों की रूचि कम होती जा रही है। अगर आपके घरों में या उसके आसपास जगह है तो छायादार और फलदार पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने रेड सिग्नल पर गाड़ी बन्द करने और अनावश्यक हार्न न बजाने की सलाह देते हुए बतलाया कि इस तरह से छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखकर हम पर्यावरण सरंक्षण के कार्य में अपना योगदान दे सकते हैं। कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मानसिंह परमार ने कहा कि हमारे देश में प्रकृति को माँ का दर्जा दिया गया है। आज से पांच हजार साल पहले इस देश में अथर्व वेद की रचना की गई थी। जिसमें पर्यावरण की चिन्ता की गई है। उन्होंने बतलाया कि जितना हम पृथ्वी माँ से लेते हैं उतना उसे वापिस देते नहीं हैं। पहले गाँवों में तालाब बनाए जाते थे। कुएँ और बावडिय़ाँ खोदी जाती थी। इस प्रकार प्रकृति का सरंक्षण किया जाता था। किन्तु आज स्थिति इतनी खराब हो गई है कि आने वाली पीढ़ी को पीने के लिए साफ पानी भी हम नहीं दे सकेंगे। ऐसे समय पर जन जागृति लाने के लिए मीडिया अपना बहुमूल्य योगदान दे सकता है। ब्रह्माकुमारी संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है। इसलिए इस पर गम्भीरता से विचार करने की जरूरत है। प्रकृति के अत्यधिक दोहन से सारी समस्या पैदा हुई है। प्रकृति ने हमें दैनिक उपयोग के लिए सारी चीजें दी हैं किन्तु जब हम उनका बेतहासा दुरूपयोग करने लग पड़ते हैं तब समस्या पैदा होती है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी प्रियंका बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इससे पहले छोटे-छोटे बच्चों ने नृत्य नाटिका के माध्यम से लोगों को पर्यावरण सरंक्षण का सन्देश दिया।

प्रेषक: मीडिया प्रभाग
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
रायपुर फोन: ०७७१-२१०४२१८, २२५३२५३ choubeycolony.ryp@bkivv.org